अभी तुम पावन देवता बनने का करते हो पुरुषार्थ
बाप ने तुमको अडॉप्ट कर अपने शरण में लिया
तुम्हें किचड़े के डिब्बे से निकाल बनाया गुल - गुल
आसुरी गुणों वालों को बनाया दैवी गुणों वाला
अब अपनी चलन रॉयल और खान -पान रखनी शुद्ध
बहुत-बहुत मीठा बनना,देह अभिमान में नही आना
सदा संतुष्ट और प्रसन्नता का गुण धारण करना
ब्राह्मणों की यज्ञ में अंतिम आहुति --सदा प्रसन्नता
सभी की प्रसन्नता से बाप की प्रत्यक्षता का आवाज़ गूँजेगा
तभी विजय का भी झण्डा लहरायेगा
मन है प्रभु की अमानत ,
तो शुभचिंतन करो,
इसे श्रेष्ठ कार्य में लगाओ

ॐ शांति
मेरा बाबा